



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्रतिभार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 282] नई दिल्ली, बुधवार, दिसम्बर 11, 1991/अग्रहायण 20, 1913
No. 282] NEW DELHI, WEDNESDAY, DECEMBER 11, 1991 AGRAHAYANA 20, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

आयात व्यापार नियंत्रण

सार्वजनिक सूचना सं. 257—आई टी सी (पी एन)/90—93

नई दिल्ली, 11 दिसम्बर, 1991

फा. सं. 12/33/91-ई. पी. सी.—वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं. 1—आई टी सी (पी एन)/90—93
दिनांक 30 मार्च, 1990 के अन्तर्गत प्रकाशित अप्रैल, 1990—मार्च, 1993 के लिए यथा संशोधित आयात-निर्यात नीति की ओर
ध्यान आकृष्ट किया जाता है।

2. नीति में निम्नलिखित संशोधन नीचे उल्लिखित उचित स्थानों पर किए जाएंगे :—

क्रम सं.	आयात-निर्यात नीति, 1990—93 (खण्ड—1) की पृष्ठ सं.	संदर्भ	संशोधन
1	2	3	4
1.	96	अध्याय—21 भाग—2	सौझदा पैरा 325 के बाद निम्नलिखित को जोड़ा जाएगा :— “(च) प्रतिवृत्ति के अन्तर्गत घरेलू टैरिफ क्षेत्र में स्थित यूनिटों द्वारा 18 कैरेट से अधिक स्वर्ण के सीधे आयात के लिए योजना

1

2

3

4

325क(1) निम्नलिखित के घरेलू टैरिफ क्षेत्र में स्वर्ण आभूषणों (सादे और जड़ित) के निर्यातकों को सीधे आयात की सुविधा इस योजना में प्रदान की गई है:—

(i) सादे स्वर्ण आभूषणों के निर्यात की प्रतिपूर्ति में 0.995 शुद्धता का स्वर्ण 0.920 शुद्धता की स्वर्ण फाइन्डिंग्स/माउन्टिंग्स, और

(ii) स्वर्ण जड़ित आभूषणों के निर्यात की प्रतिपूर्ति में 0.995 शुद्धता का स्वर्ण, 0.920 शुद्धता की स्वर्ण फाइन्डिंग्स/माउन्टिंग्स, रफ हीरे (बिना तराशे और अनसेट) रफ कलर रत्न पत्थर बिना तराशे हुए और अनसेट) तथा वास्तविक अथवा कल्चर्ड मोती अनड्रिल्ड/अनसेट ।

(2) यह योजना उपर्युक्त 8 कैरेट से अधिक के स्वर्ण आभूषणों (सादे और जड़ित दोनों) के निर्यात के लिए सीमित होगी जहां निर्यात पहले ही किए जा चुके हों और जहां निर्यात आय पूरी तरह से निर्मुक्त विदेशी मुद्रा में अधिप्राप्त की गई हो। निर्यात अपरिवर्तनीय साख पत्र अथवा सुपुर्वगी पर नकव भुगतान अथवा विदेशी मुद्रा में प्राधिकृत डीलर के माध्यम से विदेशी मुद्रा में निर्मुक्त अग्रिम भुगतान के मद्दे होनी चाहिए। योजना के अन्तर्गत निर्यातों के दस्तावेजों का लेन-देन केवल विदेशी मुद्रा में कारोबार कर रहे प्राधिकृत बैंक के माध्यम से होना चाहिए।

325ख(1) 8 कैरेट और इससे अधिक के सादे स्वर्ण के लिए लाइसेंसिंग प्राधिकारी निम्नलिखित मदों के सीधे निर्यात के लिए निर्यातों के जहाज पर्यन्त मूल्य के 87 प्रतिशत की दर से अहस्तांतरणीय एग्जिम स्क्रिप लाइसेंस जारी करेंगे :—

(i) 0.995 शुद्धता का स्वर्ण, और

(ii) लाइसेंस के 10 प्रतिशत मूल्य तक की 0.920 स्वर्ण फाइन्डिंग्स/माउन्टिंग्स और लाइसेंस के समूचे मूल्य के अन्तर्गत ।

(2) 8 कैरेट तथा इससे अधिक के स्वर्ण जड़ित आभूषणों के निर्यात के मद्दे लाइसेंसिंग प्राधिकारी नीचे लिखे तरीके से मदों का सीधे आयात के लिए निर्यात के जहाज पर्यन्त मूल्य के 80 प्रतिशत की दर से एक अहस्तांतरणीय एग्जिम स्क्रिप लाइसेंस जारी करेंगे :—

(1) 0.995 शुद्धता का स्वर्ण/स्वर्ण का मूल्य सीमाशुल्क प्राधिकारियों द्वारा यथाप्रमाणिकृत नियत किए गए स्वर्ण जड़ित आभूषणों में प्रयोग किए गए शुद्ध स्वर्ण (0.999 शुद्धता) की मात्रा को प्रक्रिया पुस्तक (खण्ड—1) 1990—93 के पैरा 402 में भारतीय स्टेट बैंक की पदाभिहित शाखाओं द्वारा यथा-प्रमाणित निर्यात की तारीख को शुद्ध स्वर्ण (0.999 शुद्धता) के अन्तर्राष्ट्रीय

1	2	3	4
			<p>मूल्य से गुणा करके और स्टैंडिंग के शेष प्रति- पूति मूल्य के 20% को हिसाब में लेकर निर्धारित किया जाएगा ।</p>
		(2)	<p>लाइसेंस के मूल्य के 10 प्रतिशत तक तथा लाइसेंस के समूचे मूल्य के भीतर के 0.92 शुद्धता के स्वर्ण फाइनिंग्स/माउन्टिंग्स, और</p>
		(3)	<p>शेष मूल्य के लिए रफ हीरे (बिन/तराश हुए और अनसेट) रफ कलर्ड रत्न पत्थर (अनकट और अनसेट) तथा रियल या कल्वर्ड मोती अनड्रिल्ड/ अनसेट ।</p>
		टिप्पणी : 8	<p>कैरेट तथा इससे अधिक के स्वर्ण जड़ित आभूषणों के निर्यात पर प्रतिपूति के संबंध में निम्नलिखित उदाहरण से पात्रता की संगणना स्पष्ट हो जाएगी :—</p>
		(क)	<p>8 कैरेट तथा इससे अधिक के स्वर्ण जड़ित आभूषण के निर्यात का जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य —100/- रुपये</p>
		(ख)	<p>निर्यात के जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य के 80% की दर से प्रतिपूति पात्रता —80/- रुपये</p>
		(ग)	<p>सीमाशुल्क प्राधिकारियों द्वारा यथा-प्रमाणित जड़ित स्वर्ण आभूषण में प्रयोग होने वाले शुद्ध स्वर्ण (0.999 शुद्धता) की मात्रा —5 ग्राम</p>
		(घ)	<p>भारतीय स्टेट बैंक द्वारा यथा प्रमाणित निर्यात की तारीख को शुद्ध स्वर्ण (0.999 शुद्धता), का अन्तर्राष्ट्रीय मूल्य —10 रुपये प्रति ग्राम</p>
		(ङ)	<p>स्वर्ण जड़ित आभूषण (ग) × (घ) के निर्यात में प्रयुक्त शुद्ध स्वर्ण (0.999 शुद्धता) का मौलिक मूल्य —50 रुपये</p>
		(च)	<p>प्रतिपूति पात्रता (ख)— (ङ) का शेष मूल्य —30 रुपये</p>
		(छ)	<p>स्टैंडिंग के प्रतिपूति मूल्य के 20 प्रतिशत के दर से आयात के लिए अनुमित किए जाने वाले स्वर्ण का अतिरिक्त मूल्य अर्थात् ऊपर (च) का 20 प्रतिशत —6 रुपये</p>
		(ज)	<p>सीधे आयात के लिए अनुमेय 0.995 शुद्धता के स्वर्ण का कुल मूल्य अर्थात् (ङ) + (च) —56 रुपये</p>

1

2

3

4

उपयुक्त आंकड़ों और 80 रुपए के एंजिम स्क्रिप लाइसेंस को हिसाब में लेकर 100 रुपये के जहाज पर्यन्त मूल्यों के स्वर्ण जड़ित आभूषणों के निर्यात पर अनुमेय लागत बीमा भाड़ा, आयात के लिए निम्नलिखित रूप से प्रयुक्त करने के लिए अनुमित होगा :—

- (1) 0.995 शुद्धता का स्वर्ण —56 रुपये तक
- (2) लाइसेंस के मूल्य के 10 प्रतिशत तक के 0.920 शुद्धता वाली स्वर्ण फाइनिसिंग माउन्टिंग्स—8 रुपये तक
- (3) रफ हीरे (बिना तराशे हुए और अनसैट) रफ कलर्ड रत्न पत्थर (बिना तराशे हुए और अनसैट) रीयल या कलचई मोती अनड्रिल्ड/अनसैट —16 रुपये

(3) उपर्युक्त उप पैरा (1) और (2) के अनुरूप जारी किए गए एंजिम स्क्रिप लाइसेंस अहस्तांतरणीय होंगे और आयात करने हेतु निर्गम को तारोख से 90 दिनों की अवधि के लिए वैध होंगे। इस नोति के पैरा 16 के लाभ अनुमेय नहीं होंगे। प्रक्रिया पुस्तक (खण्ड-1) 1990-93 के पैरा 108 और 109 की सुविधा भी अनुमेय नहीं होंगी। इस लाइसेंस पर कोई अन्य डोल की अनुमति नहीं होगी।

(छ) स्वर्ण अथवा लाइसेंस के अंतर्गत घरेलू टैरिफ क्षेत्र में यूनिटों द्वारा निर्यात उत्पादन के लिए 18 कैरेट से ऊपर के स्वर्ण के आयात के लिए योजना।

325 ग (1) पिछले तीन वर्षों में 3 करोड़ रुपये के सादे स्वर्ण और जड़ित आभूषणों के औसत निर्यात निष्पादन (स्वसंख चार्टर्ड एकाउंटेंट द्वारा यथा प्रमाणित और प्रार्थी फार्म का जो पार्टनर न हो अथवा निदेशक अथवा मालिक न हों) करने वाला पंजीकृत निर्यातक निम्नलिखित व्यौरों के आधार पर अपने स्वयं के नाम में वैध निर्यात ठेके के मुद्दे स्वर्ण अथवा लाइसेंस के लिए आवेदन करने का पात्र होगा :—

- (क) बेचने वाले और खरीदने वाले व्यक्ति का नाम और पता,
- (ख) संविदा किए गए सादे अथवा जड़ित स्वर्ण आभूषणों का ब्यौरा,
- (ग) निर्यात के लिए संविदा वाले स्वर्ण के सादे तथा जड़ित आभूषण के यूनिट मूल्य तथा कुल मूल्य,
- (घ) सुपुर्वगी अनुसूची, और
- (ङ) भुगतान की शर्तें।

(1)

(2)

(3)

(4)

(2) कोई पात्र निर्यातक पूर्ववर्ती तीन लाइसेंसिंग वर्षों के दौरान स्वर्ण के सादे तथा जड़ित आभूषण के अपने वार्षिक औसत विगत कार्य निष्पादन (किसी निष्पक्ष सनदी लेखाकार जो कि आवेदक फर्म का मालिक, साझेदार या निदेशक न हो, द्वारा यथा प्रमाणित) तथा उस पर 25 प्रतिशत की विकास दर के आधार पर या पूर्ववर्ती तीन लाइसेंसिंग वर्षों के दौरान स्वर्ण के सादे तथा जड़ित आभूषणों के वर्ष के सर्वोत्तम कार्य निष्पादन (किसी निष्पक्ष सनदी लेखाकार, जो कि आवेदक फर्म का मालिक, साझेदार या निदेशक न हो, द्वारा यथा प्रमाणित) तथा 25 प्रतिशत की विकास दर के आधार पर ही स्वर्ण अग्रदाय लाइसेंस के लिए आवेदन करेगा। स्वर्ण अग्रदाय लाइसेंस का नाम केवल मूल्यों के अनुसार ही रखा जाएगा। समूची हकदारों के अंतर्गत निर्यातक स्वर्ण के सादे आभूषण (जिनमें 8 कैरेट तथा अधिक का स्वर्ण हो) और 8 कैरेट और अधिक के स्वर्ण जड़ित आभूषण निर्यात हेतु पृथक स्वर्ण अग्रदाय लाइसेंस के लिए आवेदन करेगा।

(3) अपना आवेदन प्रस्तुत करते समय पात्र निर्यातक को जिन बैंकों के साथ उसका लेन-देन हो नाम का उल्लेख करते हुए इस आशय के बैंकर प्रमाण-पत्र के साथ एक घोषणा प्रस्तुत करनी होगी कि उस निर्यातक द्वारा पहले से किए गए निर्यातों पर निर्यात आय की अधिप्राप्ति जिसके दस्तावेजों का उनके द्वारा लेन-देन हुआ था, 6 माह की अवधि से अधिक बकाया नहीं हैं। यदि वे 6 माह की अवधि से अधिक के बकाया हैं, जो बकाया राशि को स्वर्ण अग्रदाय लाइसेंस के मूल्य के मद्दे संमजित कर ली जाएगी ऊपर उल्लिखित के अतिरिक्त यदि बकाया राशि 6 माह की अवधि से अधिक की है अथवा निर्यात के तीन या चार कंसाइन्मेंट की है अथवा ऐसी बकाया राशि 50 लाख से अधिक हो तो निर्यातक स्वर्ण अग्रदाय लाइसेंस को मंजूरी का पात्र नहीं होगा।

(4) निर्यातक केवल उन बैंकों के माध्यम से निर्यात दस्तावेजों का लेन-देन करेगा जिनके नाम निर्यातक की घोषणा पत्र में दिए गए हैं और जिन्होंने निर्यात आय की अधिप्राप्ति के प्रमाणपत्र दिए हैं ऐसे निर्यातों के मद्दे सादे अथवा जड़ित स्वर्ण आभूषण जिनके निर्यात का प्रस्ताव है और अधिप्राप्ति की जाने वाली विदेशी मुद्रा निर्यातकों के केवल स्वयं के नाम में ही होगी।

(1)

(2)

(3)

(4)

(5) पात्र पंजाब निर्यातकों से प्राप्त स्वर्ण अग्रदाय लाइसेंस की मंजूरी के लिए आवेदनों पर निम्नलिखित शर्तों के अधीन विचार किया जाएगा :—

(क) स्वर्ण अग्रदाय लाइसेंस का निर्यात दायित्व उसी प्रकार होगा जैसा कि इस नीति के पैरा 325क में दिया गया है।

(ख) स्वर्ण अग्रदाय लाइसेंस अहस्तांतरणीय होंगे,

(ग) स्वर्ण अग्रदाय लाइसेंस के मद्दे सोने का आयात करने के बाव ही निर्यात किया जाएगा,

(घ) आयात करने के लिए स्वर्ण अग्रदाय लाइसेंस जारी होने की तारीख से 6 महीने की अवधि के लिए वैध होगा। इस नीति के पैरा 16(3) तथा प्रक्रिय-पुस्तक (खण्ड 1) 1990—93 के पैरा 108 तथा 109 के लाभ अनुभव नहीं होंगे,

(ङ) स्वर्ण अग्रदाय लाइसेंस को आयात प्रयोजनों और निर्यात आभार दोनों के लिए अमरीकी डालर के संबंध में प्रयुक्त किया जाएगा। मूल्य के संबंध में स्वर्ण अग्रदाय लाइसेंस केवल 0.995 शुद्धता के स्वर्ण के आयात के लिए होगा ;

(च) निर्धारित दायित्व के निर्बहन में निर्यात स्वर्ण के प्रत्येक प्रेषित माल की निकासी की तारीख से 120 दिनों के भीतर किया जाएगा और निर्यातक नीति के किसी अन्य योजना के अन्तर्गत इन निर्यातों पर किसी प्रतिपूर्ति लाभ का दावा नहीं करेगी ;

(छ) आयात और निर्यात दोनों के लिए अमरीकी डालर में ही बीजक दिया जाएगा ;

(ज) लाइसेंसधारी इस नीति के पैरा 325-ङ में दिए गए तरीके से बैंक गारण्टी द्वारा समर्थित एक बंधपत्र निष्पादित करेगा।

निर्यात दायित्व

325 घ (1) स्वर्ण के सादे आभूषणों के निर्यात के लिए जारी किए गए स्वर्ण अग्रदाय लाइसेंस पर निर्यात दायित्व 87 प्रतिशत के व्युत्क्रम अनुपात में निर्धारित किया जाएगा अर्थात् यदि स्वर्ण अग्रदाय लाइसेंस 87 अमरीकी डालर के लागत बीमा भाड़ा मूल्य के लिए जारी किया जाता है, तो निर्यात दायित्व 100 अमरीकी डालर होगा। निर्यात दायित्वों को पूरा करने के बाद निर्यातक संबंधित लाइसेंसिंग प्राधिकारियों को स्वर्ण से बनी वस्तुओं के आयात निर्यात के ब्यौरे, सीमाशुल्क

(1)

(2)

(3)

(4)

कार्यालय द्वारा साक्ष्यांकित बीजक, निर्यात अधिप्राप्ति का बैंक प्रमाण-पत्र जिसमें अमरीकी डालर में अधिप्राप्ति का उल्लेख हो, और स्वर्ण अग्रदाय लाइसेंस की फोटो प्रति प्रस्तुत करेगा। लाइसेंसिंग प्राधिकारी व्यौरों की जांच करेंगे और यदि वास्तविक अधिप्राप्ति अमरीकी डालर में लाइसेंस पर लगाए गए दायित्व के बराबर होती है, तो यह समझा जाएगा कि दायित्व को पूरा कर लिया गया है। यदि अमरीकी डालर में वास्तविक अधिप्राप्ति निर्धारित निर्यात दायित्व से अधिक है, तो लाइसेंसिंग प्राधिकारी पुनः प्राप्ति के समय अर्जित किए गए अधिक आय के बराबर केवल अमरीकी डालर में एक अधिशेष पत्रता प्रमाण-पत्र जारी करेगा। अधिशेष पत्रता प्रमाण-पत्र के आधार पर निर्यातक इस नीति के पैरा 325 ख(i) में निर्धारित रूप में मर्चें के आयात के लिए अहस्तान्तरणीय एंजिम स्क्रिप लाइसेंस का दावा करने का हकदार होगा।

- (2) स्वर्ण जड़ित आभूषणों के निर्यात के लिए जारी किए गए स्वर्ण अग्रदाय लाइसेंस पर निर्यात दायित्व 80 प्रतिशत के व्युत्क्रम अनुपात में निर्धारित किया जाएगा अर्थात् यदि स्वर्ण अग्रदाय लाइसेंस 80 अमरीकी डालर के लागत बीमा भाड़ा मूल्य के लिए जारी किया जाता है तो निर्यात दायित्व 100 अमरीकी डालर होगा। निर्यात दायित्वों को पूरा करने के बाद निर्यातक संबंधित लाइसेंसिंग प्राधिकारियों को स्वर्ण में बनी वस्तुओं के आयात निर्यात के व्यौरों, सीमाजलक कार्यालय द्वारा साक्ष्यांकित बीजक, निर्यात अधिप्राप्ति का बैंक प्रमाण-पत्र जिसमें अमरीकी डालर में अधिप्राप्ति का उल्लेख हो, और स्वर्ण अग्रदाय लाइसेंस की फोटो प्रति प्रस्तुत करेगा। लाइसेंसिंग प्राधिकारी इन व्यौरों की जांच करेंगे और यदि वास्तविक अधिप्राप्ति अमरीकी डालर में लाइसेंस पर लगाए गए निर्यात दायित्व के बराबर होती है, तो यह समझा जाएगा कि दायित्व को पूरा कर लिया गया है। यदि अमरीकी डालर में वास्तविक अधिप्राप्ति निर्धारित निर्यात दायित्व से अधिक है तो लाइसेंसिंग प्राधिकारी पुनः प्राप्ति के समय अर्जित किए गए अधिक आय के बराबर केवल अमरीकी डालर में एक अधिशेष पत्रता प्रमाण-पत्र जारी करेगा। अधिशेष पत्रता प्रमाण-पत्र के आधार पर निर्यातक नीचे यथा निर्धारित रूप में मर्चों के आयात के लिए अधिशेष पत्रता के मूल्य के 80% की दर से एक अहस्तान्तरणीय एंजिम स्क्रिप लाइसेंस का दावा करने का हकदार होगा:—

(क) 0.995 शुद्धता का सोना लाइसेंस के लागत बीमा भाड़ा मूल्य का 90 प्रतिशत

(1)

(2)

(3)

(4)

(ख) 0.920 शुद्धता के स्वर्ण लाइसेंस के लागत बीमा
फाइण्डिंग्स/साऊन्डिंग्स भाड़ा मूल्य का 10 प्रतिशत

(ग) रफ हीरे (बिना तराशे लाइसेंस का शेष मूल्य
हुए और अनसैट) रफ
कलर्ड रत्न पत्थर (बिना
तराशे हुए तथा अनसैट),
और रीयल या कल्वर्ड
मोती अनड्रिल्ड/अनसैट

3. दोनों मामलों में दावा प्रस्तुत करने के लिए मंजूर
किए गए अधिशेष पात्रता प्रमाण-पत्र इसके जारी
होने की तारीख से केवल 15 दिनों के लिए ही
वैध होंगे।

बंध-पत्र और बैंक गारण्टी

325 ड(1) स्वर्ण आयात की प्रत्येक खेप की निकासी
के पहले लाइसेंसधारी को प्रक्रिया पुस्तक (खण्ड-1)
1990-93 के परिशिष्ट-21छ में निर्धारित प्रपत्र में
संबंधित लाइसेंसिंग प्राधिकारी के साथ बैंक
गारण्टी द्वारा समर्थित एक कार्य निष्पादन बंध-पत्र
प्रस्तुत करना होगा। बैंक गारण्टी उस तारीख को
शुद्ध स्वर्ण (0.999 शुद्धता) के वरेलू मूल्य तथा
अन्तर्राष्ट्रीय मूल्य के बीच के अंतर के बराबर होगी।

(2) यदि स्वर्ण अग्रदाय लाइसेंसधारी निर्धारित नियमित
व्ययित्व का निर्वाह करने में अनुमित समय के अंतर्गत
असफल रहता है तो लाइसेंसिंग प्राधिकारी लाइसेंस-
धारी द्वारा निष्पादित किए गए बंध-पत्र
और बैंक गारण्टी को ज्वन करेगा। तथापि,
लाइसेंसधारी के खिलाफ यथा संशोधित आयात-निर्यात
(नियंत्रण) अधिनियम, 1947 यथासंशोधित आयात
(नियंत्रण) आदेश, 1955 यथासंशोधित निर्यात
(नियंत्रण) आदेश, 1988 के अंतर्गत बिना पक्षपात
के अन्य कोई कार्रवाई की जा सकती है।

यह लाइसेंसधारी के खिलाफ सीमा शुल्क प्राधिकारी
द्वारा किसी भी अवस्था में यथा संशोधित सीमा
शुल्क अधिनियम, 1962 के अंतर्गत बिना पक्षपात
के अन्य कोई कार्रवाई की जा सकती है जिसमें यथा
संशोधित सीमाशुल्क अधिनियम 1962 की धारा
142 के अंतर्गत कस्टम ड्यूटी अथवा अन्य
शुल्कों की वसूली शामिल है।

325 च(1) स्वर्ण अग्रदाय लाइसेंस के आवेदन
संबंधित लाइसेंसिंग प्राधिकारियों से प्रक्रिया पुस्तक
(खण्ड-1) 1990-93 के परिशिष्ट 21-ज में
दिए गए प्रपत्र में दिए जाएं।

(1)	(2)	(3)	(4)
			(2) विशिष्ट नारीख को शुद्ध स्वर्ण (0.999 शुद्धता) के अन्तर्राष्ट्रीय अथवा घरेलू मूल्य को निर्धारित करने के उद्देश्य हेतु नियतिक की आवश्यकता पड़ने पर प्रशिया पुरतक (खण्ड 1) 1990-93 के पैरा 402 में उल्लिखित भारतीय रिजर्व बैंक की केवल पदाभिहीन शाखा से प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा।”

3. नीति में उपर्युक्त संशोधन लोकहित में जारी किए गए हैं।

डॉ. आर. मेहता, मुख्य नियंत्रक (आयात निर्यात)

MINISTRY OF COMMERCE

IMPORT TRADE CONTROL

PUBLIC NOTICE No. 257—ITC (PN)/90-93

New Delhi, the 11th December, 1991

Subject.—Import and Export Policy for April 1990—March 1993.

F.No. 12/33/91-EPC. —Attention is invited to the Import and Export Policy for April 1990– March 1993, published under the Ministry of Commerce Public Notice No. 1-JTC(PN)/90-93 dated the 30th March, 1990, as amended.

2. The following amendments shall be made in the Policy at appropriate places indicated below :

Sl. No.	Page No. of Import and Export Policy—1990-93 (Volume I)	Reference	Amendment
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	96	CHAPTER XXI PART II	After the existing para 325 following shall be added: “(F) Scheme for import of gold of above 18 carats directly by units situated in Domestic Tariff Area under replenishment. 325A. (1) The scheme provides the facility of direct import to the exporters of gold jewellery (plain or studded) in the Domestic Tariff Area of : (i) gold of 0.995 fineness, gold findings/mountings of 0.920 fineness replenishment of the export of plain gold jewellery; and (ii) gold of 0.995 fineness, gold findings/mountings of 0.920 fineness, Rough Diamonds (uncut & unset), Rough Colour Gemstones (uncut & unset) and Real or Cultured Pearls undrilled/unset in replenishment of the export of gold studded jewellery.

(1)	(2)	(3)	(4)
			<p>(2) This scheme shall be limited to the export of gold jewellery (both plain and studded) of 8 carats and above, where the exports have already been made, and exports proceeds have been realised in full in free foreign exchange. The exports should be against irrevocable letter of credit or payment of cash on delivery or advance payment in free foreign exchange through an authorised dealer in foreign exchange. The documents of exports under the scheme should be negotiated through an authorised Bank dealing in foreign exchange only.</p> <p>325B(1) Against the export of gold plain jewellery of 8 carats and above the licensing authorities will issue a non-transferable Exim Scrip Licence at the rate of 87 per cent of the FOB value of exports for the direct import of the following items :</p> <p>(i) Gold of 0.995 fineness; and</p> <p>(ii) Gold findings/mountings of 0.920 fineness upto 10% of the value of the licence and within the overall value of the licence.</p> <p>(2) Against the export of gold studded jewellery of 8 carats and above, the licensing authorities will issue a non-transferable Exim Scrip Licence at the rate of 80 per cent of the FOB value of exports for the direct import of items in the manner outlined below :</p> <p>(i) Gold of 0.995 fineness. The value of gold shall be determined taking into account the quantity of pure gold (0.999 fineness) used in the gold studded jewellery exported as certified by the custom authorities multiplied by the international price of pure gold (0.999 fineness) on the date of export as certified by the designated branches of State Bank of India in para 402 of the Hand Book of Procedure (Vol. I) 1990-93, plus 20 per cent of the residual replenishment value of studdings;</p> <p>(ii) Gold findings/mountings of 0.920 fineness upto 10 per cent of the value of licence and within the over all value of licence; and</p> <p>(iii) Rough Diamonds (uncut & unset), Rough Coloured Gem-Stones (uncut & unset) and Real or Cultured Pearls undrilled/unset for the residual value.</p> <p>Note: In respect of replenishment on the export of gold studded jewellery of 8 carats and above the following example will explain the computation of entitlement—</p> <p>(a) FOB value of exports of gold studded jewellery of 8 carats and above. Rs. 100</p> <p>(b) Replenishment entitlement at the rate of 80 per cent of FOB value of exports. Rs. 80</p>

(1)	(2)	(3)	(4)
			(c) Qty. of pure gold (0.999 fineness) used in the studded gold jewellery, as certified by the custom authorities. 5 gms.
			(d) International price of pure gold (0.999 fineness) on the date of export as certified by the State Bank of India Rs. 10 per gm.
			(e) Basic value of the pure gold (0.999 fineness) used in export of gold studded jewellery (c) × (d) Rs. 50
			(f) Residual value of replenishment entitlement (b) -- (e) Rs. 30
			(g) Additional value of gold to be allowed for import at the rate of 20 per cent of the residual replenishment value of studdings i.e. 20% of (f) above Rs. 6
			(h) Total value of gold of 0.995 fineness permissible for direct import i.e. (e) + (g) Rs. 56
			Taking into account the above figure an Exim Scrip Licence of Rs. 80/- CIF permissible on the export of gold studded jewellery of Rs. 100 FOB, would be allowed to be used for making imports in the following manner :--
			(i) Gold of 0.995 fineness upto Rs. 56
			(ii) Gold findings/mountings of 0.920 fineness upto 10% of the value of the licence upto Rs.8
			(iii) Rough Diamonds (uncut & unset), Rough coloured Gemstones (uncut & unset), real or cultured pearls undrilled/unset upto Rs.16
			(3) The Exim Scrip Licence issued in accordance with the sub-para(1) and (2) above shall be non-transferable and shall be valid for a period of 90 days from the date of its issue for effecting imports. The benefit of para 16(3) of this policy shall not be permissible. The facility of para 108 and 109 of the Hand Book of Procedure (Vol. I) 1990-93 shall also not be permissible. No other flexibility shall be allowed on this licence.
			(G) Scheme for import of gold of above 18 carats for export production by units in Domestic Tariff Area under Gold Imprest Licence.
325C.	(1)		A registered exporter with an average export performance of gold plain and studded jewellery of Rs. 3 crores (as certified by an independent chartered accountant and who is not a partner or director

(1)	(2)	(3)	(4)
			<p>or proprietor of the applicant firm) during the preceding three licensing years are eligible to apply for Gold Imprest Licence against valid export contract in his own name on the basis of the following details :—</p> <p>(a) Name and Address of the seller and buyer;</p> <p>(b) Description of Gold plain or studded jewellery contracted;</p> <p>(c) Unit price and total value of gold plain and studded jewellery contracted for export;</p> <p>(d) Delivery Schedule; and</p> <p>(e) Terms of payments.</p> <p>(2) An eligible exporter shall apply for Gold Imprest Licence only on the basis of his annual average past performance (as certified by an independent chartered accountant and who is not a proprietor, partner or director of the applicant firm) of gold plain and studded jewellery during the preceding three licensing years plus 25 per cent growth rate thereon or on the basis of best year performance (as certified by an independent chartered accountant and who is not a proprietor, partner or director of the applicant firm) of gold plain and studded jewellery during the preceding three licensing years plus 25 per cent growth rate. The Gold Imprest Licence shall be denominated only in terms of value. Within the overall entitlement, the exporter shall apply for separate Gold Imprest Licence for the export of gold plain jewellery of 8 carats and above and gold studded jewellery of 8 carats and above.</p> <p>(3) While submitting his application, an eligible exporter shall furnish a declaration giving the names of the bankers with whom the exporter deals, alongwith bankers certificate to the effect that realisation of export proceeds on the exports already made by the exporter, whose documents were negotiated by them, are not outstanding for a period of more than 6 months. If the outstandings are due for more than 6 months, then the outstanding value will be adjusted against the value of the Gold Imprest Licence. Notwithstanding what is stated above, if the outstandings due for more than 6 months are for three or more consignments of exports or such outstandings exceed Rs. 50 lakhs, then the exporter shall not be eligible for the grant of Gold Imprest Licence.</p>

(1)	(2)	(3)	(4)
			<p>(4) The exporter shall negotiate the export documents only through those bankers whose names have been indicated in the exporter's declaration and who have given certificates on the realisation of export proceeds. The export of gold plain or studded jewellery proposed to be effected and foreign exchange to be realised against such exports shall be in the exporters own name only.</p> <p>(5) The applications for grant of Gold Imprest Licence will be considered from the eligible registered exporter subject to the following conditions :-</p> <p>(a) The Gold Imprest Licence shall carry an export obligation in the manner indicated in para 325-D of this policy;</p> <p>(b) The Gold Imprest Licence shall be non-Transferable;</p> <p>(c) The exports are effected only after importing the gold against the Gold Imprest Licence;</p> <p>(d) The Gold Imprest Licence shall be valid for a period of 6 months from the date of its issue for making imports. The benefit of para 16(3) of this policy and para 108 and 109 of the Hand Book of Procedure (Vol I) 1990-93 shall not be permissible;</p> <p>(e) The Gold Imprest Licence shall be denominated, both for the purposes of imports and exports obligation, in terms of US \$. The Gold Imprest Licence shall be in terms of value only for the import of gold of 0.995 fineness;</p> <p>(f) The exports in discharge of obligation fixed shall be effected within 120 days from the date of clearance of each consignment of gold and the exporter shall not claim any benefit of replenishment on these exports under any other scheme of this policy;</p> <p>(g) Both, imports and exports, shall be invoiced in terms of US \$ only;</p> <p>(h) The licensee shall execute a Bond backed by a Bank Guarantee in the manner indicated in para 325 F of this policy.</p>

(1)

(2)

(3)

(4)

Export Obligation.

325D. (1) On the Gold Imprest Licence issued for the export of gold plain jewellery, the export obligation will be fixed in inverse ratio of 87 per cent i.e. if the Gold Imprest Licence is issued for CIF value of US \$ 87, the export obligation will be US \$ 100. After completing the export obligation the exporter shall submit to the concerned licensing authorities the details of imports/exports of gold made, the custom attested invoices, bank certificate of exports/realisation indicating the realisation in terms of US \$ and photocopy of the Gold Imprest Licence. The licensing authority shall verify the details and if the actual realisation in terms of US \$ is equal to the export obligation imposed on the licence, then the obligation will be treated to have been achieved. If the actual realisation in terms of US \$ are in excess of the prescribed export obligation, then the licensing authority, at the time of redemption, shall issue an excess entitlement certificate equivalent to the excess earnings made in terms of US \$ only. Based on the excess entitlement certificate the exporter shall be entitled to claim a non-transferable Exim Scrip Licence for the import of items in the manner as prescribed in para 325B (1) of this Policy.

(2) On the Gold Imprest Licence issued for the export of gold studded jewellery, the export obligation will be fixed in inverse ratio of 80 per cent i.e. if the Gold Imprest Licence is issued for CIF value of US \$ 80, the export obligation will be US \$ 100. After completing the export obligation the exporter shall submit to the concerned licensing authorities the details of import/exports of gold made, the custom attested invoices, bank certificate of exports/realisation indicating the realisation in terms of US \$ and the photocopy of the Gold Imprest Licence. Licensing authority shall verify the details and if the actual realisation in terms of US \$ is equal to the export obligation imposed on the licence, then the obligation will be treated to have been achieved. If the actual realisation in terms of US \$ are in excess of the prescribed export obligation, then the licensing authority, at the time of redemption, shall issue an excess entitlement certificate equivalent to the excess earnings made in terms of US \$ only. Based on the excess entitlement certificate the exporter shall be entitled to claim a non-transferable

Exim Scrip Licence at the rate of 80% of the value of the excess entitlement for the import of items in the manner as prescribed below :

- | (1) | (2) | (3) | (4) |
|-----|---|-----|--|
| | | | Exim Scrip Licence at the rate of 80% of the value of the excess entitlement for the import of items in the manner as prescribed below : |
| (a) | Gold of 0.995 fineness | 20% | of the cif value of the licence. |
| (b) | Gold Findings/Mountings of 0.920 fineness. | 10% | of the cif value of the licence. |
| (c) | Rough diamonds (uncut & unset), rough coloured Gem-Stones (uncut & unset), and real or cultured pearls undrilled/unset. | | Residual value of the licence. |

- (3) In both the cases, the excess entitlement certificate granted shall be valid only for 15 days from the date of its issue for filing the claim.

Bond and Bank Guarantee.

- 325E. (1) Before clearance of each consignment of import of gold, the licensee shall execute a performance bond backed by a bank guarantee with the concerned licensing authority in the form prescribed in App. XXI-G of the Hand Book of Procedure (Vol. I) 1990-93. The bank guarantee shall be equivalent to the difference between the domestic price and international price of the pure gold (0.999 fineness) on the date of import of the specific consignment of gold.
- (2) If the Gold Imprest Licence holder fails to discharge the prescribed export obligation within the permitted time, the licensing authority shall invoke the Bond and Bank Guarantee executed by the licensee. This shall, however, be without prejudice to any other action that may be taken at any stage against the licensee under the Imports & Exports (Control) Act, 1947 as amended, Imports (Control) Order, 1955 as amended, Export (Control) Order, 1988 as amended. This shall also be without prejudice to any other action that may be taken by the custom authorities at any stage against the licensee under the Customs Act, 1962 as amended including recovery of custom duty or other duties and interest thereon under Section 142 of the Customs, Act. 1962 as amended.

(1)	(2)	(3)	(4)
			325F. (1) The applications for Gold Imprest Licence may be preferred to the concerned licensing authority in the form shown in App. XXI-H of the Hand Book of Procedure (Vol. I) 1990-93.
			(2) For the purposes of determining the international or domestic price of pure gold (0.999 fineness) on a particular date, the exporter shall, whenever needed, submit a certificate only from the designated branch [as indicated in para 402 of the Hand Book of Procedure (Vol. I) 1990-93 of the State Bank of India".

3. The above amendments in the policy have been made in public interest.

D.R. MEHTA, Chief Controller of Imports & Exports.